ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

बुलेटिन संख्या-४१
दिनांक-शुक्रवार,२४ मई,२०१६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३६.६ एवं २४.३ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८० सुबह में एवं दोपहर में ५२ प्रतिशत, हवा की औसत गति ६.६ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ६.७ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ८.६ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में ३१.२ एवं दोपहर में ४१.० डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(२५-२६ मई,२०१६)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २५-२६ मई, २०१६ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के से मध्यम बादल देखे जा सकते है। अगले २८ मई तक मौसम के आमतौर पर शुष्क रहने की संभावना है। इसके बाद (२६-३० मई के आस-पास) तराई के जिलों में कहीं-कहीं तथा मैदानी भागों के १-२ स्थानों पर गरज वाले बादल बनने के साथ हल्की वर्षा या बुंदा-बुंदी होने का अनुमान है।
- अधिकतम तापमान ३७ से ३६ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान २४ से २६ डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- पूर्वानुमानित अवधि में मुख्यतः पूरवा हवा औसतन १० से १५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से रहने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ६५ से ७० प्रतिशत तथा दोपहर में ४० से ४५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- २६ मई में संभावित वर्षा को देखते हुए मक्का की कटनी, दौनी एवं दाने सुखाने का कार्य में सावधानी बरतें। मूंग की तैयार फसल की तुड़ाई २८ मई तक अवश्य संपन्न कर लें।
- खरीफ धान की नर्सरी के लिए खेत की तैयारी करें। किसान भाई लम्बी अवधि वाले धान के किस्मो जैसे- राजश्री, राजेन्द्र श्वेता, स्वर्णा, स्वर्णा सब-१, सत्यम एवं किशोरी की नर्सरी गिराने का कार्य २५ मई के बाद कर सकते हैं। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु ८००- १००० बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौराई १.२५-१.५ मीटर तथा लम्बाई सुविधा अनुसार रखें। बीज को बविस्टिन २ ग्राम प्रति किलो की दर से बीजोपचार करें। बीज की व्यवस्था प्रमाणित स्त्रोत से करें।
- खरीफ मक्का की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। सुआन, देवकी, शक्तिमान-१, शक्तिमान-२, राजेन्द्र संकर मक्का-३, गंगा-११ किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। खेत की जुताई में प्रति हेक्टेयर १० से १५ टन गोबर की सड़ी खाद, ३० किलो नेत्रजन, ६० किलो स्फुर एवं ५० किलो पोटाश का व्यवहार करें। इसके लिए प्रति किग्रा० बीज को २.५ ग्राम थीरम द्वारा उपचारित कर बुआई करें। बीज दर २० किग्रा० प्रति हेक्टेयर रखें। २५ मई के बाद किसान भाई बुआई कर सकते है। बुआई पूर्व खेत में प्रयाप्त नमी की जाँच अवश्य कर लें।
- बसन्तकालीन मक्का में तना छेदक कीट की निगराणी करें। अधिक नुकसान होने पर रोक-थाम हेतु क्लोरपाईरिफॉस २० ई०सी० दवा का २.५ मि०ली०/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल में समान रुप से छिडकाव करें।
- हल्दी की बुआई करें। हल्दी की राजेन्द्र सोनिया, राजेन्द्र सोनाली किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। खेत की जुताई में २५ से ३० टन गोबर की सड़ी खाद, नेत्रजन ६० से ७५ किलोग्राम, स्फूर ५० से ६० किलोग्राम, पोटास १०० से १२० किलोग्राम एवं जिंक सल्फेट २० से २५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। हल्दी के लिए बीज दर २० से २५ क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार ३०-३५ ग्राम जिसमें ४ से ५ स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दुरी 30x20 से०मी० तथा गहराई ५ से ६ से०मी० रखे। अच्छे उपज के लिए २.५ ग्राम दाईथेन एम० ४५ + ०.१ प्रतिशत कारवेन्डाजीम प्रति किलोग्राम बीज की दर से घोल बनाकर उसमें आधा घंटे तक उपचारित करने के बाद बुआई करे।
- अदरक की बुआई करें। अदरक की मरान एवं नदिया किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। खेत की जुताई में २५ से ३० टन गोबर की सड़ी खाद, नेत्रजन ३० से ४० किलोग्राम, स्फूर ५० किलोग्राम, पोटास ८० से १०० किलोग्राम जिंक सल्फेट, २० से २५ किलोग्राम एवं बोरेक्स १० से १२ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। अदरक के लिए बीज दर १८ से २० क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार २०-३० ग्राम जिसमें ३ से ४ स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दुरी 30x20 से०मी० रखे। अच्छे उपज के लिए रीडोमिल दवा के ०.२ प्रतिशत घोल से उपचारित बीज की बुआई करें।
- भिंडी की फसल में फल एवं प्ररोह वेधक कीट की निगरानी करें। इसके पिल्लू भिंडी फलों के अन्दर छेद बनाकर उसके अन्दर घुसकर फलों को खाते हैं तथा इसे पुरी तरह नष्ट कर देते हैं। इसकी रोक-थाम के लिए सर्वप्रथम प्रभावित फलों को तोड़कर मिट्टी के अन्दर दबा दें। अधिक नुकसान होने पर डाईमेथोएट ३० ई०सी० दवा का १.५ मी०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। लत्तर वाली सब्जियों में फल मक्खी कीट की निगरानी करें।
- किसान भाई मई के अन्त तक सभी दुधारू पशुओं को गलघोटु एवं लंगड़ी बीमारीयों से बचने के लिए टिका लगायें।

आज का अधिकतम तापमानः ३५.८ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.० डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः २५.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.३ डिग्री सेल्सियस अधिक

नोडल पदाधिकारी